Literacy for a Billion

Movie: Arth
Year: 1982

Song: Tum Itna Jo Mukura Rahe Ho
Lyricist: Kaifi Azmi

तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो
तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो
क्या ग़म है जिसको छुपा रहे हो

क्या ग़म है जिसको छुपा रहे हो
तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो

आँखों में नमी हँसी लबों पर
आँखों में नमी हँसी लबों पर

क्या हाल है क्या दिखा रहे हो
क्या हाल है क्या दिखा रहे हो

क्या ग़म है जिसको छुपा रहे हो
तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो

बन जाएँगे ज़हर पीते पीते
बन जाएँगे ज़हर पीते पीते

ये अश्क जो पीते जा रहे हो

ये अश्क जो पीते जा रहे हो

जिने ज़ख्मों को वक़्त भर चला है
जिने ज़ख्मों को वक़्त भर चला है

तुम क्यों उन्हें छेड़े जा रहे हो
तुम क्यों उन्हें छेड़े जा रहे हो

क्या ग़म है जिसको छुपा रहे हो
तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो

रेखाओं का खेल है मुकद्दर
रेखाओं का खेल है मुकद्दर
रेखाओं से मात खा रहे हो
रेखाओं से मात खा रहे हो

क्या ग़म है जिसको छुपा रहे हो
क्या ग़म है जिसको छुपा रहे हो
क्या ग़म है जिसको छुपा रहे हो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.